>

Title: Issue regarding pension schemes for retired military personnel.

श्री राजाराम पाल (अकबरपुर): सभापति जी, मैं संक्षेप में अपनी बात कहना चाहूंगा। मैं सदन में देश के लाखों भू.पू. सैनिकों के बारे में अपनी बात कहना चाहता हूं। जिनकी कुर्बानी के कारण, परिश्रम के कारण पूरा देश आजादी के बाद से सुख की नींद सो रहा है। सैनिकों ने रिटायर होने के बाद विभिन्न संगठन बनाकर अपनी शत प्रतिशत पेंशन के बारे में भारत सरकार से कई बार मांग की है। लेकिन अब तक उन्हें शत प्रतिशत पेंशन देने का कोई प्रावधान इस सदन में नहीं लाया गया है। मैं आपके माध्यम से इन भू.पू. सैनिकों की पीड़ा बताना चाहता हूं। बहुत सारे भू.पू. सैनिक ऐसे हैं जिन्हें जो पेंशन मिलती है, उससे उनका सम्मानजनक जीवन निर्वहन भी नहीं हो रहा है। लम्बे समय से उनकी पेंशन का कोई पुनरीक्षण या परीक्षण नहीं किया गया है, जिससे उनमें असंतोष व्याप्त है। मैं मांग करता हूं कि उन लाखों भू.पू. सैनिकों को भी सम्मानजनक जीवन जीने के लिए सरकार को उनकी इस मांग पर ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा इन भू.पू. सैनिकों की मांग है कि उन्हें सीएसडी केंटीन का मेम्बर बने रहने देना चाहिए, रेलवे में आरक्षण की सुविधा मिलनी चाहिए। पूरे देश के सैनिक रिटायर होने के बाद अपने गांव चले जाते हैं, उनकी मांग है कि उन्हें शहर में भी आरक्षण मिलना चाहिए। मैं आपके माध्यम से उन लाखों भू.पू. सैनिकों को सम्मान की जिंदगी जीने के लिए कोई प्रावधान सरकार द्वारा सदन में लाया जाए, ऐसी मांग करता हूं। ये लोग पद पर रहते हुए देश की सेवा करते हैं और उन्हें फिर से देश की सेवा करने का मौका मिल सके इसलिए उनकी मांगों पर ध्यान देना चाहिए।

सभापति महोदय : श्री राजाराम पाल जी ने उपरोक्त विषय उठाया है, श्री अशोक अर्गल और श्री कमल किशोर कमांडो उससे अपने को सम्बद्ध करते हैं।

श्री अशोक अर्गल, आपने शून्य काल में एसोसिएट किया है और अब दूसरे विषय पर भी बोलना चाहते हैं।